































प्रवचन

परमहंस श्री हंसानंद जी सरस्वती दण्डी स्वामी जी
विषय तालिका

CD # 34 - A * MAR 2010 *

SN	Title	Min	Coding	Contents
1	Mar 01. Mp3	40	 	भ० का सर्वश्रेष्ठ नाम ओंकार का स्वरूप एवं स्वर-व्यंजन में विस्तार, निनि०-ससा० वाचक - विश्व-विराट दर्शन
2	Mar 02. Mp3	55	  	
3	Mar 03. Mp3	34	 	गीता २/११-१६: ज्ञानयोग-देह विनाशी है, आत्मा अविनाशी है अतः शोक व्यर्थ है, आत्मा सच्चि० है
4	Mar 04. Mp3	00	  	प्रवचन अनुपलब्ध
5	Mar 05. Mp3	42	 	गीता २/१६: सत्-असत् विवेक, देही-देह/द्रष्टा-दृश्य २ ही तत्त्व हैं, द्रष्टा सच्चि० है, दृश्य असत् है
6	Mar 06. Mp3	39	 	गीता २/१६-१७: सत्-असत् विवेक, विद्या-अविद्या माया, ईश्वर-जीव का स्वरूप एवं उनकी सृष्टि
7	Mar 07. Mp3	39	 	गीता २/१६-१७: सत्-असत् विवेक, अवस्थात्रेय परीक्षण, आत्मा सच्चि० व जगत असत् जड़ दुःखरूप
8	Mar 08. Mp3	41	 	गीता २/१६-१७: सत्-असत् विवेक, सत्-चिद्रूप द्रष्टा ब्रह्म सदा है, असत्-जड़ दृश्य जगत कभी नहीं
9	Mar 09. Mp3	00	  	प्रवचन अनुपलब्ध
10	Mar 10. Mp3	34	 	गीता २/१७-१८: जा०स्व०सु०माया रस्सी में सर्पवत् झूठी है, अविनाशी अप्रमेय द्रष्टा आत्मा नित्यसत्य है
11	Mar 11. Mp3	30	 	गीता २/१८-२०: देही नित्य द्रष्टा अप्रमेय है, मायाकृत देह अन्त-वन्त वाले हैं व सभी कर्म देह में हैं
12	Mar 12. Mp3	29	 	अ०रा०-प्र०सर्ग-राम हृ० : सीताजी द्वारा भ०राम का निनि०स्वरूप निरूपण - रामं विद्धि परम ब्रह्म...
13	Mar 13. Mp3	37	  	गीता २/२०-२५: आत्मा अजन्मा नित्य सनातन पुरातन अविनाशी है, मायाकृत झूठे देह नाशवान हैं
14	Mar 14. Mp3	30	  	अ०रा०-प्र०सर्ग-राम हृ० : सीताजी द्वारा भ०राम का निनि०स्वरूप निरूपण - रामं विद्धि परम ब्रह्म...
15	Mar 15. Mp3	32	  	आत्मा-अनात्मा विवेक - देह असत्-जड़-दुःखरूप है और देही-आत्मा सत्-चित्-आनंद रूप व असंग है
16	Mar 16. Mp3	32	  	अ०रा०-प्र०सर्ग-राम हृ० : सीताजी द्वारा भ०राम का निनि०स्वरूप निरूपण - रामं विद्धि परम ब्रह्म...
17	Mar 17. Mp3	39	 	गीता २/२५-२६: आत्मा अव्यक्त अचिंत्य अविकारी सच्चि० स्वरूप है अतः शोक करना उचित नहीं है
18	Mar 18. Mp3	29	  	अ०रा०-प्र०सर्ग-राम हृ० : सीताजी द्वारा भ०राम का निनि०स्वरूप निरूपण - रामं विद्धि परम ब्रह्म...
19	Mar 19. Mp3	11	 	अधूरा गीता २/२४-२७: आत्मा अव्यक्त अचिंत्य अविकारी सच्चि० स्वरूप है अतः शोक करना उचित नहीं है
20	Mar 20. Mp3	28	  	अ०रा०-प्र०सर्ग-राम हृ० : सीताजी द्वारा भ०राम का निनि०स्वरूप निरूपण - रामं विद्धि परम ब्रह्म...
21	Mar 09. Mp3	00	  	प्रवचन अनुपलब्ध
22	Mar 22. Mp3	21	